अपराध और दंड

फ्योदोर दोस्तोएवस्की

हिंदी : विदूषक

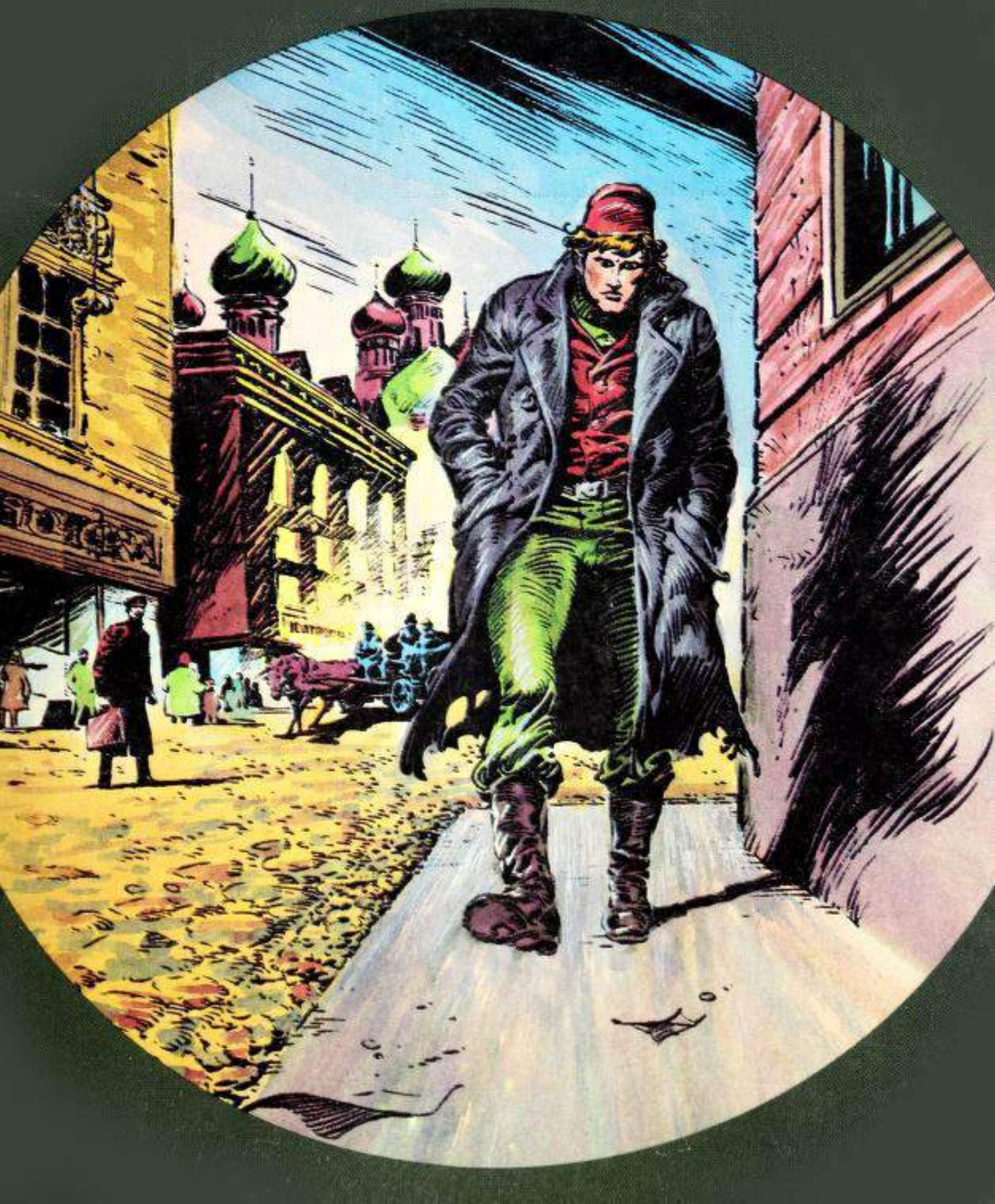

अपराध और दंड

फ्योदोर दोस्तोएवस्की

हिंदी : विदूषक

फ्योदोर दोस्तोएवस्की का जन्म 1821 में रूस में हुआ. उनका जीवन काफी अशांत और अस्थिर रहा. माँ के देहांत के बाद पिता ने फ्योदोर और उसके बड़े भाई को आर्मी के इंजीनियरिंग स्कूल में भेज दिया. पर फ्योदोर की इंजीनियरिंग में कोई रूचि नहीं थी. उसका रुझान साहित्य और कला की ओर था.

पच्चीस साल की उम्र में दोस्तोएवस्की का पहला नावेल *पुअर फोल्क* प्रकाशित हुआ. उससे उसे तुरंत प्रसिद्धि मिली और वो रूस में सबके चहेते बन गए. पर उस समय फ्योदोर एक क्रांतिकारी संगठन के सदस्य भी थे. उस संगठन के सभी सदस्यों को साइबेरिया की जेल में भेज दिया गया. दोस्तोएवस्की ने वहां कड़ी मेहनत करके चार साल बिताए. उन अनुभवों का उन्होंने जीवन भर अपने बाकी नोवेल्स में भरपूर उपयोग किया.

दोस्तोएवस्की के सबसे प्रसिद्ध नोवेल्स हैं - *क्राइम एंड पनिशमेंट, द इडियट, और द ब्रदर्स करामाज़ोव.* इन नोवेल्स की सफलता से दोस्तोएवस्की ने काफी धन कमाया, पर वो कभी भी उस दौलत का मज़ा नहीं उठा पाए. दोस्तोएवस्की एक जुआरी और उपद्रवी थे. वो जो कुछ करना चाहता थे वो उन्होंने किया – क्या परिणाम होगा उसके बारे में उन्होंने बाद में सोचा. पर साथ-साथ वे एक अच्छे पिता और भाई भी थे और एक बेहद दरियादिल इंसान थे. उसकी सेहत हमेशा ही कमज़ोर रही. ख़राब सेहत और मुश्किलों से भरी ज़िन्दगी के कारण वो जल्द ही बूढ़े हो गए. 1881 में सिर्फ साठ साल की उम्र में उनका देहांत हो गया. दोस्तोएवस्की की गिनती रूस के सबसे प्रसिद्ध लेखकों में होती है.

अपराध और दंड

फ्योदोर दोस्तोएवस्की

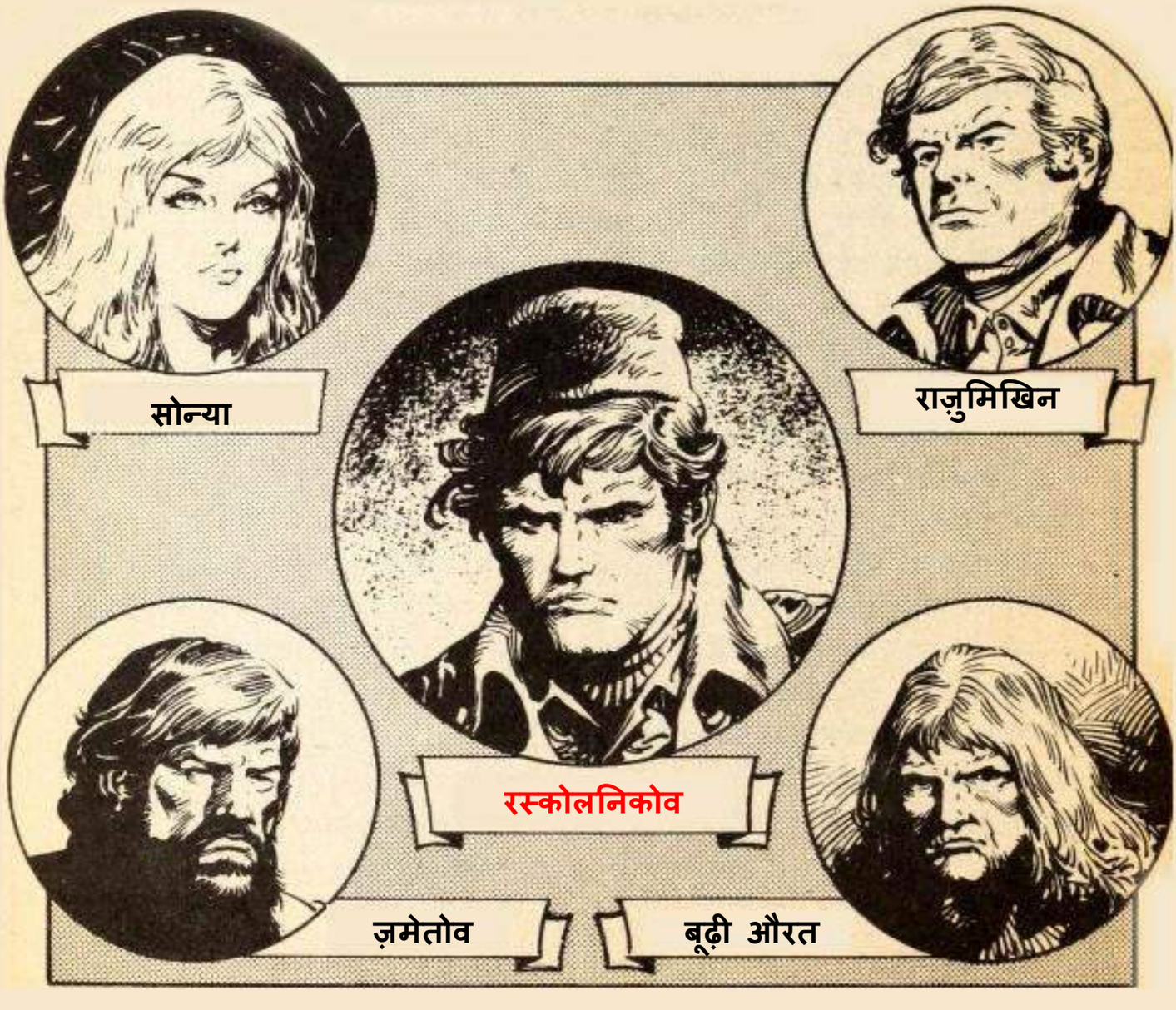

रस्कोलनिकोव एक सुन्दर युवक था जो रूस में रहता था. वो बहुत गरीब भी था.
क्या मैं वाकई में वो काम कर पाऊँगा? क्या वो पागलपन होगा! पर फिर भी उससे सिद्ध होगा कि मैं तमाम लोगों से ज्यादा होशियार हूँ!

रस्कोलनिकोव एक बड़ी बिल्डिंग में घुसा. वो बहुत व्यस्त जगह थी और कामकाजी लोगों से भरी थी.

रस्कोलनिकोव को लोगों से मिलना पसंद नहीं था. अंधेरी सीढ़ियों पर जहाँ उसे कोई नहीं देख पाए वहां वो खुदको अधिक सुरक्षित महसूस करता था. पर फिर भी ऊपर की मंजिल तक चढ़ते हुए वो कांप रहा था.

अगर मुझे अभी से डर लग रहा है, तो क्या मैं वो काम कर पाऊँगा जिसके लिए मैं यहाँ पर आया था?

चौथी मंजिल पर कुछ आदमी एक फ्लैट से फर्नीचर निकाल रहे थे.

बहुत अच्छा! इसके मतलब उस बूढ़ी औरत के फ्लैट के नीचे कोई नहीं रह रहा होगा.

रस्कोलनिकोव, पांचवीं मंजिल पर गया और वहां उसने घंटी बजाई. एक बूढ़ी औरत ने बस थोड़ा सा दरवाज़ा खोला.

कौन है?

मैं रस्कोलनिकोव – एक छात्र हूँ. पिछले महीने मैंने आपको चांदी की अंगूठी दी थी जिसके बदले में आपने मुझे पैसे उधार दिए थे.

बूढ़ी औरत ने उसे कुछ देर के लिए घूरा और फिर उसने दरवाज़ा खोला.

तुम्हारा समय कल तक का था. वो अब ख़त्म हो गया. अगर तुम कुछ और धंधा लाए हो तो अन्दर आओ.

घर के अन्दर बहुत अच्छी साफ़-सफाई थी.

लगता है बूढ़ी औरत की सौतेली बहन लिज़ावेता भी वहां है.

मैं एक चांदी की घड़ी लाया हूँ. आप कृपा मेरी अंगूठी को अभी न बेचे. मुझे जल्द ही कुछ पैसे मिलेंगे.
तुम्हारा समय कल पूरा हो गया. अब मैं अंगूठी के साथ जो मेरी मर्ज़ी होगी वो करूंगी. अच्छा, ज़रा वो घड़ी दिखाओ.

क्या? यह मेरे पिता की घड़ी है. उसकी कीमत कम-से-कम चार रूबल होनी चाहिए!
उसका बदले में मैं तुम्हें डेढ़ रूबल दूँगी.

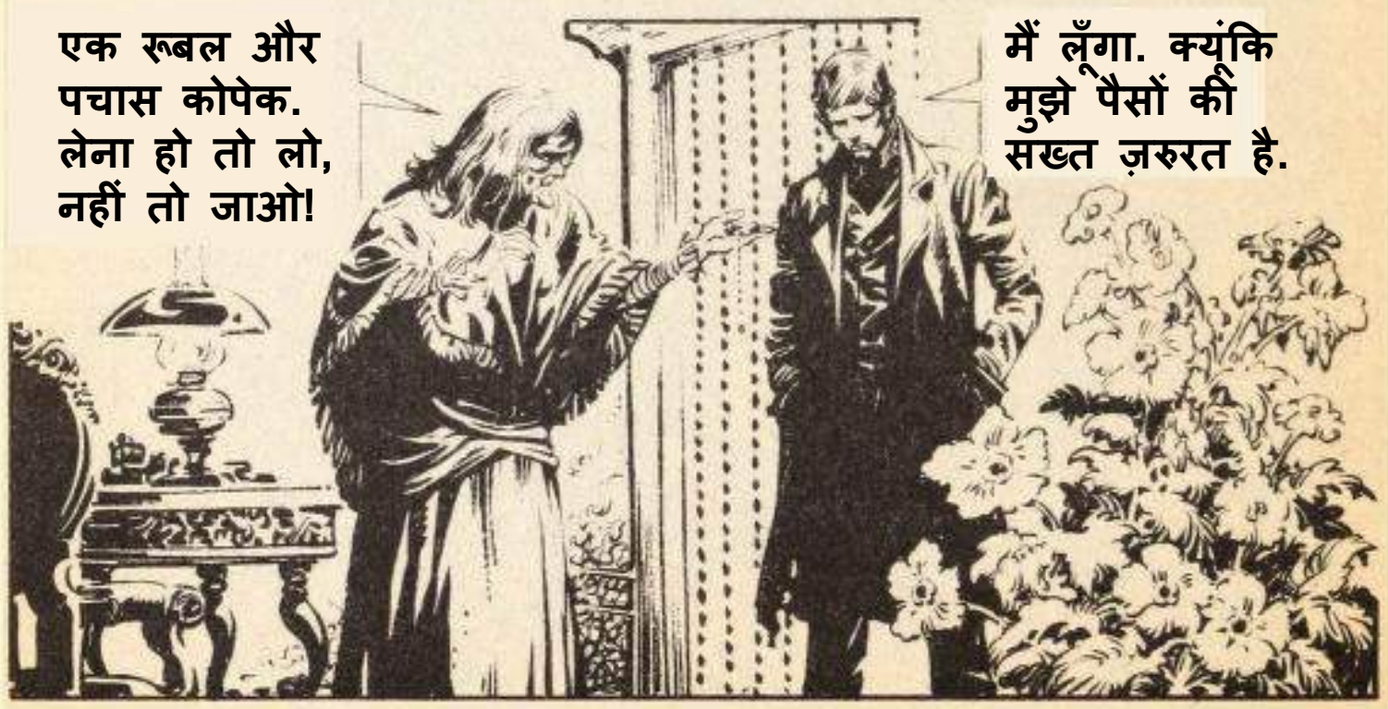
एक रूबल और पचास कोपेक. लेना हो तो लो, नहीं तो जाओ!
मैं लूँगा. क्यूंकि मुझे पैसों की सख्त ज़रुरत है.

बूढ़ी औरत अपनी जेब में संदूक की चाभी रखती है. पीतल वाली चाभी ही शायद संदूक की चाभी होगी.

पर यह तो सिर्फ एक रूबल और पंद्रह कोपेक ही हैं!

देखो! मैंने अंगूठी के सूद के बीस कोपेक और इस घड़ी के सूद के पंद्रह कोपेक काट लिए हैं.

मैं जल्दी ही वापिस आऊँगा. आपकी बहन यहाँ कब आयेंगी?

तुम्हें उससे क्या लेना-देना?

मैं तो बस ऐसे ही पूछ रहा था. अच्छा अलविदा, अल्योना इवानोवना.

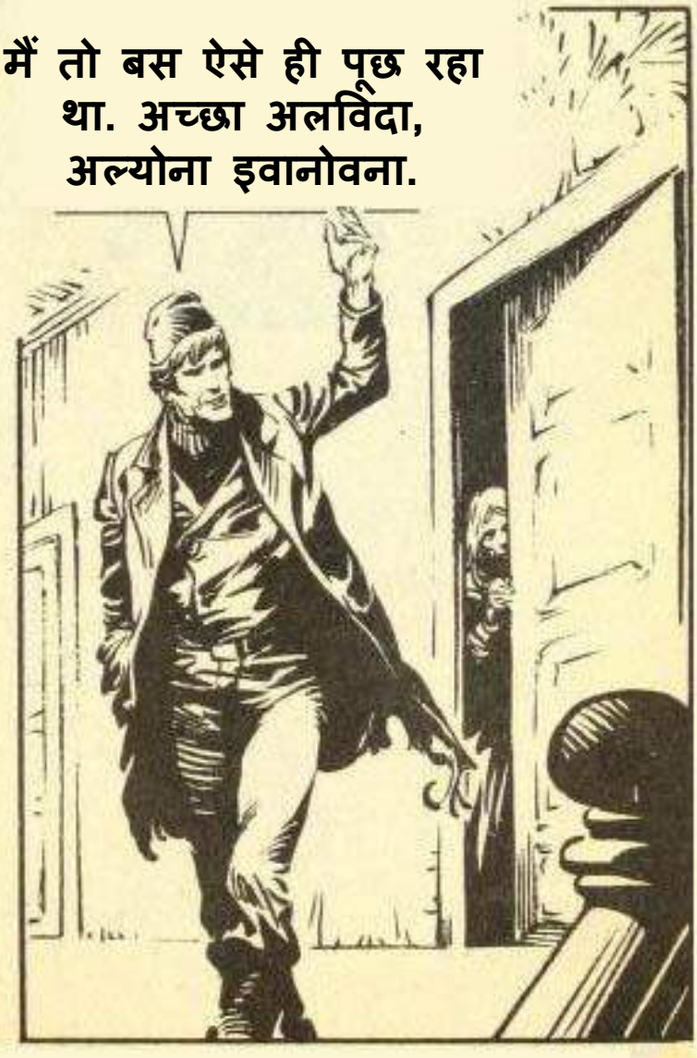

रस्कोलनिकोव सीढ़ियों से नीचे उतरकर सड़क पर आया.

मेरे दिमाग में ऐसा भयानक विचार कैसे आया?

फिर रस्कोलनिकोव एक शराबखाने के सामने आकर रुका. उसने आजतक किसी भी शराबखाने के अन्दर पाँव नहीं रखा था. पर अब उसे जोर की प्यास लगी थी. बिना सोचे वो शराबखाने की सीढ़ियों पर चढ़ा.

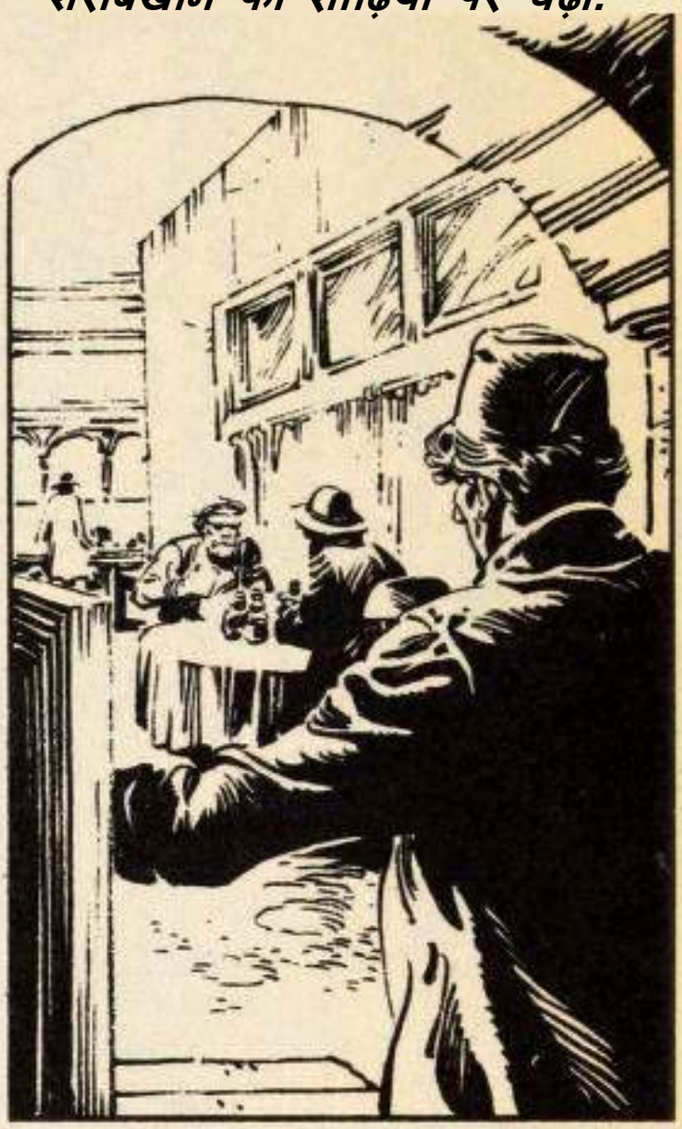

वो वहां बैठ गया और उसने एक बियर मंगाई. उसने जल्दी से बियर पी. फिर उसे कुछ अच्छा लगा.

क्या मैं तुमसे कुछ बातें कर सकता हूँ? मुझे तुम्हें बियर पीते देखकर काफी ताज्जुब हुआ.

मैं एक छात्र था. पर गरीबी के कारण मैं स्कूल की फीस नहीं दे पाया.

स्कूल. देखो गरीब होना कोई बुरी बात नहीं है, पर शराब पीना अच्छा नहीं है! मेरा नाम है - मरमेलादोव.

ऐसा अक्सर होता है जब मुझे लगता है कि पता नहीं मेरा क्या होगा?

मुझे काम की तलाश थी, पर कोई काम नहीं मिला. मैंने अपने परिवार को भूखे सोते हुए देखा है! मैंने अपनी बेटी को सड़क पर कोई काम तलाशते हुए देखा है.

मेरी सुन्दर बेटी सोन्या! उसे बहुत मेहनत करनी पड़ती है जिससे कि परिवार का पेट भर सके.

मैं शराब इसलिए पीता हूँ क्योंकि मैं उसकी कोई मदद नहीं कर सकता. हरेक आदमी को जीने के लिए कुछ तो सहारा चाहिए!

उसके बाद मरमेलादोव उठ खड़ा हुआ.
चलो चलूं. अब घर जाने का वक्त हो गया है.
रस्कोलनिकोव भी अब जाना चाहता था. दोनों मरमेलादोव के घर की तरफ बढ़े.
मेरा घर पास में ही है. वो रहा मेरा घर!
रस्कोलनिकोव ने कमरे तक की सीढ़ियां चढ़ने में उसकी मदद की.
आज तुमने फिर शराब पी! घर में बच्चे भूखे हैं!

और तुम उसके साथ शराब पी रहे थे? निकल जाओ यहाँ से!
फिर वो औरत मरमेलादोव को पीटने लगी, और बच्चे रोने लगे.
मैं कुछ सिक्के छोड़ जाता हूँ, जिससे कल बच्चे कुछ खा सकें.
रस्कोलनिकोव ने यह एक अच्छा काम किया था. पर उसकी जेब फिर से खाली हो गई थी.
यह मैंने कितनी बेवकूफी की! उनके घर में कमाने के लिए सोन्या तो है. अब मैं खुद खाना कहाँ से खाऊँगा?

उसके बाद रस्कोलनिकोव अपने कमरे में गया. अगले दिन सुबह घर की मालकिन की नौकरानी नस्तास्या ने उसे जगाया.

मैं तुम्हारे लिए चाय के साथ एक बुरी खबर लाई हूँ. घर की मालकिन पुलिस से तुम्हारी शिकायत करने वाली है!

पुलिस? मैंने क्या किया?

तुम न तो किराया देते हो, और न ही कमरा छोड़ते हो.

मैं आज मालकिन से जाकर बात करूंगा.

हाँ, कल तुम्हारी माँ की यह चिट्ठी भी आई थी.

चिट्ठी मुझे दो. अब मुझे अकेला छोड़ दो.

नस्तास्या के जाने के बाद रस्कोलनिकोव ने चिट्ठी खोली.

मेरे प्यारे बेटे,
मुझे यह जानकार दुःख हुआ कि पैसों के अभाव में तुमने स्कूल छोड़ दिया. पर जल्द ही तुम्हारी किस्मत चमकेगी. तुम्हारी बहन दुन्या जो तुमसे बहुत प्रेम करती है जल्द ही मिस्टर लुज्हिर से शादी करेगी. मिस्टर लुज्हिर की उम्र ज्यादा है पर वो एक भले आदमी हैं. दुर्या उनसे प्रेम नहीं करती है, पर दुर्या दिल की अच्छी है. दुर्या, मिस्टर लुज्हिर की अच्छी देखभाल करेगी. दुर्या को उम्मीद है कि मिस्टर लुज्हिर तुम्हारे स्कूल की फीस भेजेंगे और बाद में तुम्हें कोई नौकरी भी देंगे! क्यों, यह है न अच्छी बात! हम जल्द ही तुमसे सेंट पीटर्सबर्ग में मिलेंगे! मिस्टर लुज्हिर वहीं रहते हैं. हम सभी तुम्हें बहुत प्यार करते हैं.

सप्रेम
तुम्हारी माँ

वो लिखती हैं "अच्छा आदमी".... वो उनसे "प्रेम नहीं करती" वो लिखती हैं. मैं इस तरह की शादी को कभी नहीं होने दूंगा!

चिट्ठी पढ़ने के बाद रस्कोलनिकोव सीढ़ियां उतरकर, सड़क पर दौड़कर गया.

मेरी बहन उस गरीब आदमी मरमेलादोव की बेटी सोन्या जैसी ही बन जाएगी. वो मुझे बचाने के लिए खुद को दुःख पहुंचा रही है!

फिर उसने दौड़ना बंद किया और एक जगह चुपचाप खड़ा रहा.

पर मैं इस शादी को रोकने के लिए भला क्या कर सकता हूँ? मैं अपने परिवार की कुछ भी मदद नहीं कर सकता.

और फिर उसे मरमेलादोव के शब्द याद आए.

हरेक आदमी को सहारे के लिए कुछ चाहिए!

रस्कोलनिकोव का एक दोस्त था. वो एक छात्र था.

उसका नाम राज़ुमिखिन था!

राज़ुमिखिन बहुत होशियार था! उसके दिमाग में हमेशा कोई नया विचार आता था. पर फिर रस्कोलनिकोव ने संकोच किया. क्योंकि राज़ुमिखिन भी उस जैसा ही गरीब था.

अब मेरे दिमाग में सिर्फ वही भयानक विचार ही बाकी बचा है. उसके ख़त्म होने के बाद ही मैं राज़ुमिखिन से मिलने जाऊँगा.

उस पूरे दिन रस्कोलनिकोव सड़क पर चहलकदमी करता रहा. उसके विचार ही उसे परेशान कर रहे थे.

अचानक रस्कोलनिकोव को कुछ याद आया. जब वो पहली बार उस बूढ़ी औरत के घर गया था तब उसने यह सुना था.

वो अल्योना इवानोवना! उसके पास बेशुमार पैसा है, फिर भी वो अपनी सौतेली बहन से एक गुलाम जैसे काम लेती है.

वो सारा धन चर्च के लोगों के लिए छोड़ जाएगी, जिससे मृत्यु के बाद वे उसकी आत्मा के लिए प्रार्थना करें.

सोचो, उन पैसों से तुम कितने अच्छे काम कर सकते हो! किसी को उसका क़त्ल करना चाहिए, क्यों?

उस बुढ़िया के जाने के बाद उसकी दौलत से कई अच्छे काम किये जा सकते हैं!

रस्कोलनिकोव को लगा कि इसके अलावा अब उसके पास कोई और रास्ता नहीं बचा था.

जब रस्कोलनिकोव वापिस अपने कमरे में पहुंचा तब उसका सिर दर्द से फटा जा रहा था.

जल्द ही उसे नींद आ गई और उसने कई बुरे सपने देखे. हर बार उठने के बाद उसे ठीक नहीं लगा. पर बाद में उसे एक अच्छा सपना आया.

रस्कोलनिकोव ने सपने में देखा कि वो एक सुन्दर जगह पर था. वहां घंटी बज रही थी. अचानक उसकी आँख खुली. घंटी तभी भी बज रही थी.

अरे शाम के छह बज गए. मैं पूरे दिन सोता ही रहा?

अब उसे जल्दी करनी होगी. अभी कई काम बाकी बचे थे.

उसने अपने कोट में एक फंदा सिला.

मैं कुल्हाड़ी को फंदे से लटकाऊँगा. फिर मेरे हाथ खाली होंगे. तब कोई भी शक नहीं करेगा कि मैंने कोई गलत काम किया है.

फिर उसने एक लकड़ी और लोहे के टुकड़ों को एक कागज़ में लपेटा.

मैं बूढ़ी औरत से कहूँगा कि मैं उसके लिए एक चांदी का सिगरेट-केस लाया हूँ. मैं इसे कसकर बाँधूंगा जिससे उसे खोलने में कठिनाई हो.

उसने हर कदम अच्छी तरह सोचा-समझा था. पर अब तैयारी में उसे ज़रुरत से ज्यादा वक्त लग रहा था. उसने औजारों वाले शेड में से एक कुल्हाड़ी उठा ली. फिर वो धीरे-धीरे उस बूढ़ी औरत की बिल्डिंग की ओर बढ़ा, जिससे उसपर कोई शक न करे.

देर हो गई है.
अब मुझे जल्दी करनी चाहिए.

बूढ़ी औरत की बिल्डिंग में घुसते हुए उसे किसी ने नहीं देखा. पर उसे दूसरी मंजिल पर कुछ आदमी दिखे.
अच्छा होता अगर वो नहीं होते. पर मुझे लगता है उन्हें कुछ भी सुनाई नहीं देगा.

अंत में रस्कोलनिकोव बूढ़ी औरत के फ्लैट के सामने आया. उसने घंटी बजाई.

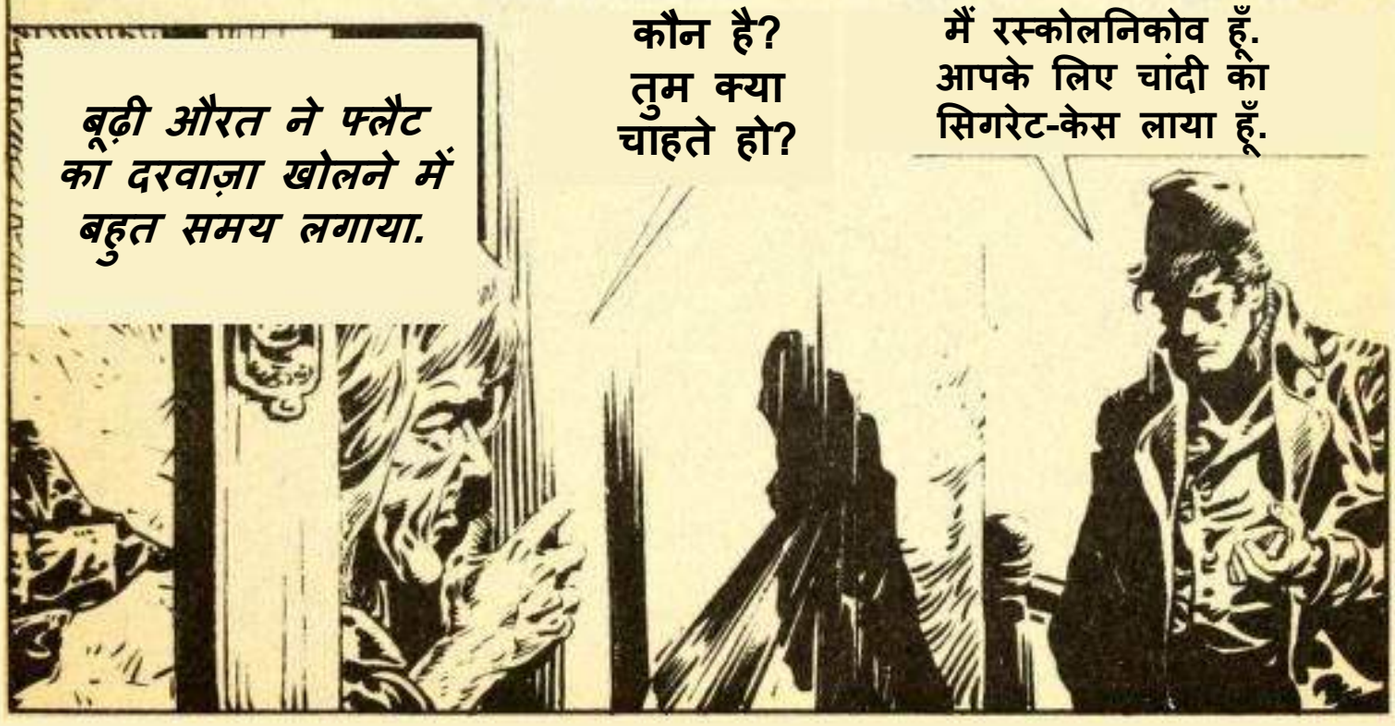
बूढ़ी औरत ने फ्लैट का दरवाज़ा खोलने में बहुत समय लगाया.
कौन है? तुम क्या चाहते हो?
मैं रस्कोलनिकोव हूँ. आपके लिए चांदी का सिगरेट-केस लाया हूँ.

तुम्हारा चेहरा एकदम फीका है और तुम्हारे हाथ कांप रहे हैं.

मुझे बुखार था और मेरे पास खाने को कुछ नहीं था. जल्दी करो! यह लो और उसे खोलो.

बूढ़ी औरत उस पैकेट को बेहतर देखने के लिए खिड़की के पास ले गई. रस्कोलनिकोव बिल्कुल उसके पीछे था. उसके चेहरे पर क्रूरता थी. फिर उसने कुल्हाड़ी को बूढ़ी औरत के सिर की तरफ घुमाया.

तुमने इतना कसकर क्यों बाँधा? क्या उसमें सच में चांदी है?

रस्कोलनिकोव के वार के बाद बूढ़ी औरत एक धीमी आवाज़ के साथ ज़मीन पर गिर गई.

चलो मैं सफल हुआ!

रस्कोलनिकोव ने जल्दी से झुककर बूढ़ी औरत की जेब से चाभी निकाली. फिर उसे उसके गले में बंधी एक डोरी दिखाई दी.

उस डोरी से बंधा एक बटुआ था जो पूरी तरह से भरा था. बिना देखे उसने उसे अपनी जेब में रख लिया.

फिर वो बेडरूम में दौड़ा हुआ गया. उसके हाथ काँप रहे थे. वो संदूक का ताला नहीं खोल पाया.

पर अंत में ताला खुल गया. फिर वो अपनी जेबें भरने लगा.

वो आवाज़ कहाँ से आई?

वो लिज़वेता – बूढ़ी औरत
की सौतेली बहन की आवाज़ थी.
लिज़वेता मुड़ी,
पर उससे पहले
रस्कोलनिकोव उसकी
तरफ कुल्हाड़ी के
साथ दौड़ा.

दूसरे क़त्ल के बाद
रस्कोलनिकोव के
दिल में एक
अजीब सी
भावना आई.
वो सोने-चांदी के बारे में सब भूल
गया. वो किचन में गया और वहां
उसने सावधानी से अपने हाथों और
कुल्हाड़ी को सावधानी से धोया.

रस्कोलनिकोव ने कुल्हाड़ी और फंदे को अपने कोट के अन्दर छिपाया. फिर वो फ्लैट में से निकला और सीढ़ियां उतरने लगा.
फिर उसे सारी पुरानी बातें याद आने लगीं.
मुझे यहाँ से जल्दी निकल जाना चाहिए!
कोई सीढ़ियों से ऊपर आ रहा है! अब सिर्फ एक ही जगह बची है छिपने के लिए.

रस्कोलनिकोव उस बूढ़ी औरत के फ्लैट में वापिस गया और उसने उसने उसके दरवाज़े को बंद किया. उसने क़दमों की आहट को पास आते सुना.
अरे, अल्योना इवानोवना! ज़रा दरवाज़ा तो खोलो.

फिर रस्कोलनिकोव को एक दूसरी आवाज़ भी सुनाई दी.

क्या हुआ?

पता नहीं. वो दरवाज़ा नहीं खोल रही है. पर उसे अन्दर ही होना चाहिए. वो कभी बाहर नहीं जाती है.

मुझे भी अजीब सा लग रहा है. शायद कुछ गड़बड़ हो. तुम यहीं रुको. मैं जाकर कुछ मदद लेकर आता हूँ.

रस्कोलनिकोव चुपचाप दरवाज़े के पीछे खड़ा रहा. कुछ मिनट बीते. बाहर खड़ा आदमी तब ऊब गया और अपने दोस्त को खोजने चला गया. रस्कोलनिकोव ने उसके क़दमों को जाते हुए सुना.

फिर वो बिल्कुल चुपचाप नीचे की सीढ़ियां उतरा. अचानक उसे ऊपर आते हुए लोगों के क़दमों की आहट सुनाई दी.

वो अब चला गया है! भागने का मेरे पास बस यही मौका बचा है!

मुझे छिपना चाहिए! अच्छा हुआ, पेंटर लोग चले गए!

फिर रस्कोलनिकोव नए पेंट वाले फ्लैट में जाकर छिप गया. कुछ देर में क़दमों की आहट ख़त्म हुई. फिर वो नीचे उतरकर सड़क पर आ गया. किसी ने भी उसे नहीं देखा!

मुझे बहुत डर लग रहा है! शायद मुझे पुलिस को जाकर सब कुछ बता देना चाहिए.

फिर रस्कोलनिकोव अपने कमरे में वापिस गया. जब उसने कुल्हाड़ी को वापिस रखा तब भी उसे किसी ने नहीं देखा.

अभी के लिए मैं सब माल को यहीं पर छिपा दूंगा. पर यह क्या? मेरे मोज़े पर खून लगा है!

मैं फंदे के बारे में तो सबकुछ भूल ही गया!

उसने उस फंदे को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटा.

फिर रस्कोलनिकोव ने अपने कपड़े उतारने शुरू किये. तभी अचानक वो बेहोश हो गया. कुछ घंटों बाद नस्तास्या ने उसे खोजा.

यह क्या? तुम इन चिथड़ों में क्यों लेटे हो! इधर देखो! तुम्हारी एक चिट्ठी आई है.

पुलिस ने मुझे तलब किया है!

उन्हें पता है कि मैंने उन दोनों औरतों का क़त्ल किया है! अब मैं क्या करूं?

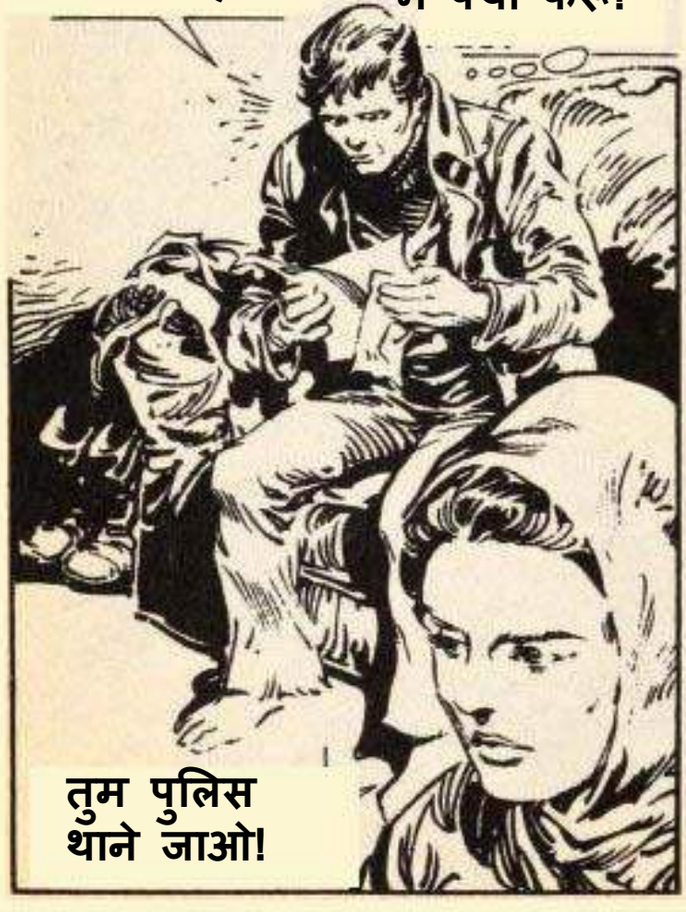

तुम पुलिस थाने जाओ!

कुछ देर में नस्तास्या वहां से चली गई. रस्कोलनिकोव ने ख़ूनी मोज़े पर ज़मीन की धूल रगड़ी. मोज़ा बहुत ख़राब लग रहा था फिर भी उसने उसे पैर में पहना.

मुझे वही पहनना ही पड़ेगा. कोई दूसरा नहीं है!

रस्कोलनिकोव पुलिस स्टेशन की तरफ चला.

कहीं यह कोई चाल न हो? मेरे पीछे कहीं वो मेरे कमरे की तलाशी न लें.

जब रस्कोलनिकोव पुलिस स्टेशन पहुंचा तो वहां नए पेंट की खुशबू उसे बिल्कुल पसंद नहीं आई.

बहुत भयानक हुआ! मुझे पुलिस को सब कुछ बता देना चाहिए!

पर जब रस्कोलनिकोव पुलिस इंस्पेक्टर के कमरे में पहुंचा...

कुर्सी पर बैठो. इंस्पेक्टर जल्दी ही आपसे मिलेंगे.

सब ठीक लगता है!

अंत में इंस्पेक्टर ने रस्कोलनिकोव को बुलाया.
तुम्हें अपनी मकान मालकिन को 150 रूबल देने हैं.
मैं एक गरीब छात्र हूँ. मैंने उनसे जल्द ही पैसे लौटने का वादा किया है!

ठीक है. फिर तुम इस फॉर्म पर दस्तखत करके वापिस जा सकते हो.
मैंने उन्हें अच्छा चकमा दिया!

पर जब दूसरा पुलिस अफसर कमरे में आया तब रस्कोलनिकोव बेहोश हो गया.
इंस्पेक्टर हमें क़त्ल के बारे में कुछ सबूत मिला है!
ज़रा मदद करो! लड़का बेहोश हो गया है.

तुम्हें क्या हुआ?
कुछ नहीं! मुझे दो दिनों से बुखार है. क्या मैं अब जा सकता हूँ?

ठीक. तुमने फॉर्म पर दस्तखत किए हैं. अब तुम जा सकते हो.

रस्कोलनिकोव तेज़ी से सड़क की ओर बढ़ा.
मुझे जल्दी करनी चाहिए! अगले आधे घंटे में वो मेरा पीछा कर रहे होंगे. मुझे उस बूढ़ी औरत की चीज़ों को कहीं छिपा देना चाहिए.
फिर रस्कोलनिकोव सड़क पर दौड़ने लगा.

रस्कोलनिकोव अपने कमरे में गया. उसने बूढ़ी औरत की चीज़ों को उठाया और फिर वो शहर की सड़कों पर घूमता रहा.

सब लोग मुझे क्यों घूर रहे हैं?

अंत में रस्कोलनिकोव को एक खाली मैदान दिखा. वहां पर एक बड़ा पत्थर पड़ा था.

चलो! मेरे काम ख़त्म हुआ. अरे! मैंने पैसे तो गिने ही नहीं!

कोई भी यहाँ पर आकर नहीं खोजेगा! अगर कोई आया भी तो भी वो साबित नहीं कर पायेगा कि मैंने उन्हें यहाँ छिपाया था!

फिर *रस्कोलनिकोव कुछ देर और शहर की सड़कों पर घूमता रहा. फिर उसे अपना वादा याद आया – वो अब अपने दोस्त राज़ुमिखिन से मिलने जायेगा.*

अब मैं एक नई ज़िन्दगी की शुरुआत करूंगा. अब मैं पिछली बातों को भूल जाऊँगा!

क्या मैं अन्दर आ सकता हूँ?

रस्कोलनिकोव! तुम इतने दिनों से कहाँ थे? तुम्हें मिलकर बहुत अच्छा लग रहा है! क्या तुम मेरा एक काम कर सकते हो!

पर उसके मित्र के अच्छे व्यवहार का रस्कोलनिकोव कुछ गलत ही असर हुआ.

अन्दर आओ! कुछ खाओ! तुम्हारी हालत ठीक नहीं लग रही है.

नहीं! मैं चलता हूँ. मैं बस तुमसे हेलो कहने के लिए आया था.

रस्कोलनिकोव को बुखार था. फिर भी वो सड़क पर चलता रहा. अंत में वो अपने कमरे में वापिस पहुंचा. वो अपनी खाट पर लेट कर सो गया. पर सोने से भी उसे कोई चैन नहीं मिला.
कई दिनों तक रस्कोलनिकोव को उन कत्लों को लेकर बुरे-बुरे सपने आते रहे.

जब वो उठा तब उसने अपने दोस्त राज़ुमिखिन को अपनी खाट के पास पाया.
अरे, यह साफ़ चादरें कहाँ से आईं?
वाह! अच्छा हुआ तुम होश में वापिस आ गए! मैंने तुम्हारे घर की मालकिन से बात की और कहा कि तुम जल्द ही उसका बकाया पैसा चुका दोगे, तब उन्होंने मुझे यह साफ़ चादरें दीं. लगता है तुम काफी दिनों से बीमार हो!

देखो, ज़मेतोव यहाँ दो बार आकर गया और तुम्हें उसकी कुछ याद तक नहीं है!

वो मेरा दोस्त है.

क्या मैंने कुछ कहा?

ज़मेतोव? पुलिस स्टेशन का हेड-क्लर्क? वो यहाँ क्यों आया?

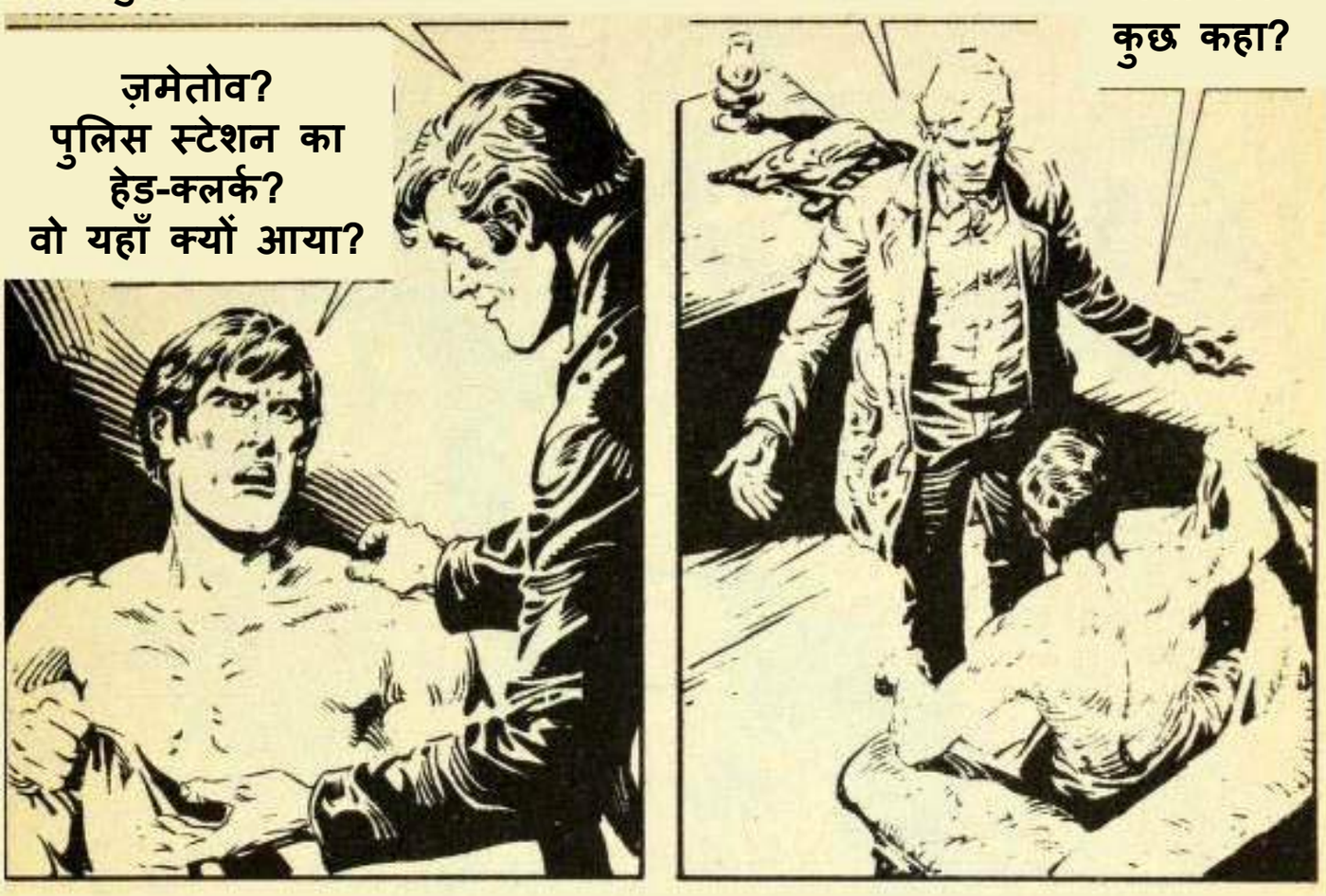

क्या तुम कुछ छिपा रहे हो? बिल्कुल फ़िक्र मत करो, तुमने कुछ नहीं कहा. तुम्हें सिर्फ अपने गंदे मोज़े की फ़िक्र थी!

"मुझे मेरा मोज़ा दो!" तुम बेहोशी में रोए. फिर ज़मेतोव ने कमरे में से खोजकर तुम्हें तुम्हारा मोज़ा दिया!

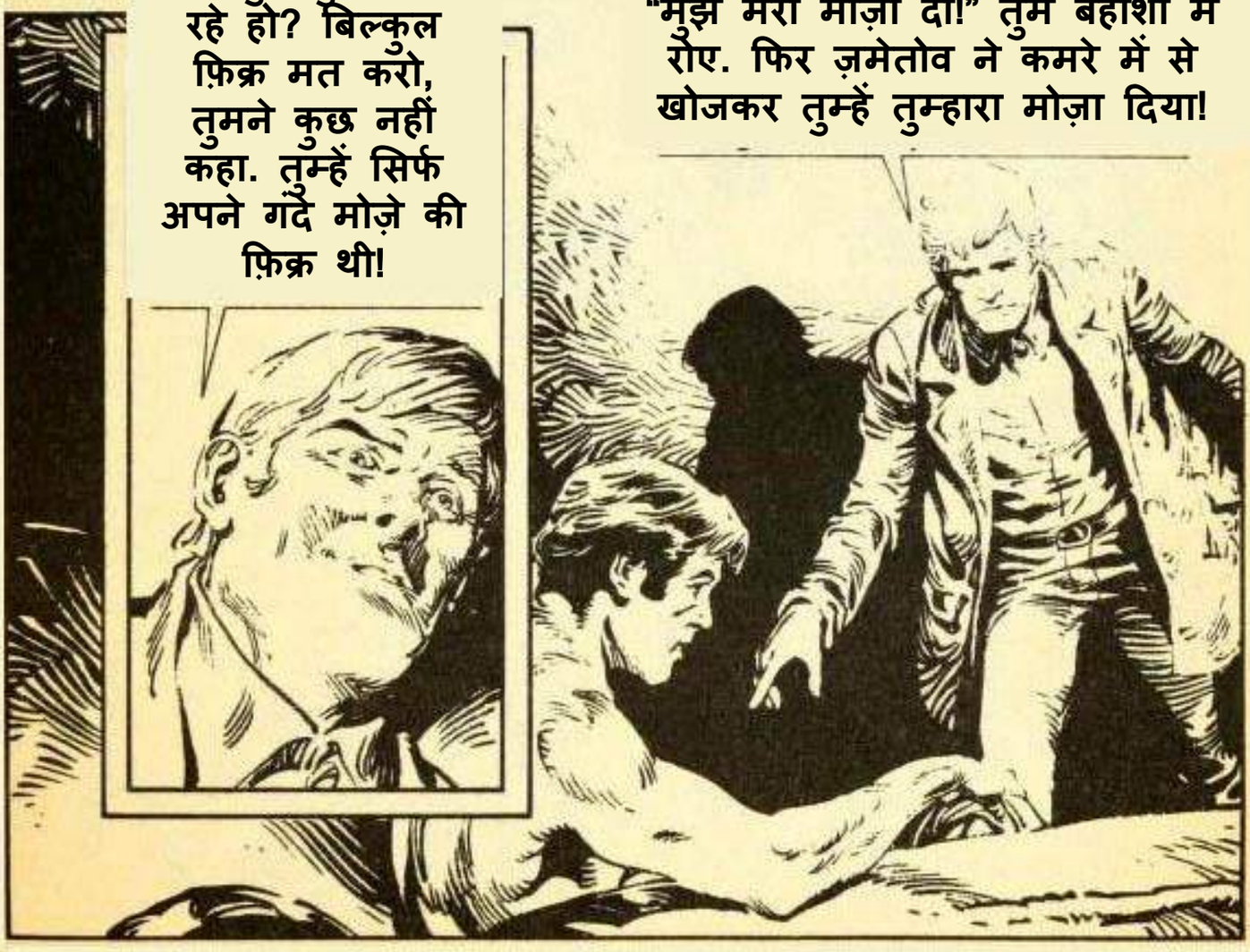

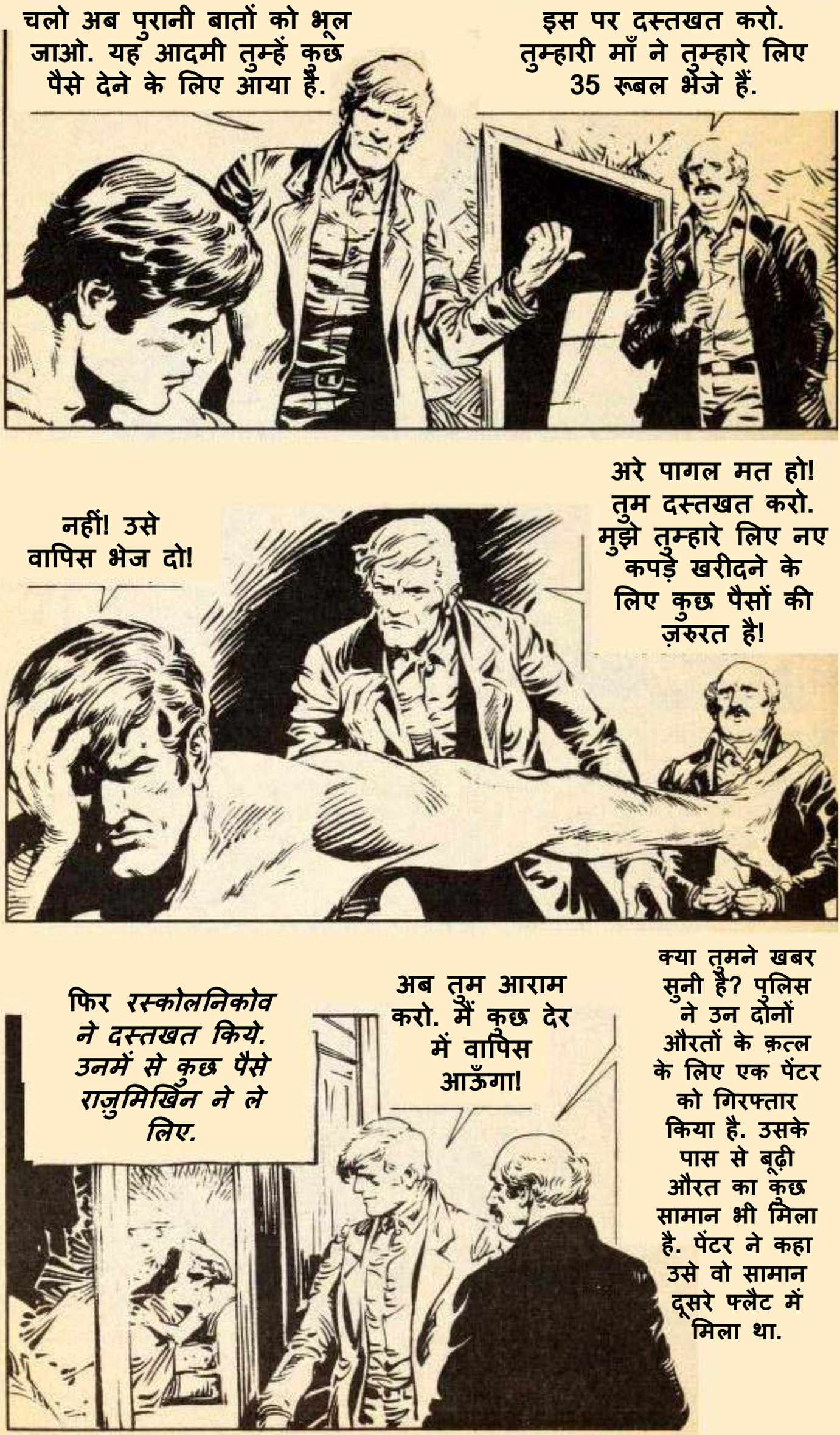

चलो अब पुरानी बातों को भूल जाओ. यह आदमी तुम्हें कुछ पैसे देने के लिए आया है.
इस पर दस्तखत करो. तुम्हारी माँ ने तुम्हारे लिए 35 रूबल भेजे हैं.
नहीं! उसे वापिस भेज दो!
अरे पागल मत हो! तुम दस्तखत करो. मुझे तुम्हारे लिए नए कपड़े खरीदने के लिए कुछ पैसों की ज़रुरत है!
फिर रस्कोलनिकोव ने दस्तखत किये. उनमें से कुछ पैसे राज़ुमिखिन ने ले लिए.
अब तुम आराम करो. मैं कुछ देर में वापिस आऊँगा!
क्या तुमने खबर सुनी है? पुलिस ने उन दोनों औरतों के क़त्ल के लिए एक पेंटर को गिरफ्तार किया है. उसके पास से बूढ़ी औरत का कुछ सामान भी मिला है. पेंटर ने कहा उसे वो सामान दूसरे फ्लैट में मिला था.

अगले दिन सुबह रस्कोलनिकोव को पहले की बजाए बहुत अच्छा लगा. वो नए कपड़े पहनकर बाहर गया. उसकी जेब वो पैसे थे जो उसकी माँ ने भेजे थे.

रस्कोलनिकोव ने क़त्ल से सम्बंधित सभी समाचार पढ़े. तभी अचानक वहां पर ज़मेतोव आ गया.

पर रस्कोलनिकोव उसके बारे में चर्चा करना चाहता था.

सच जानने के लिए हम उस मुजरिम पर लगातार नज़र रखेंगे. फिर देखेंगे कि वो पैसा कहाँ खर्च करता है.

अगर मैं उनकी जगह होता, तो मैं सब पैसों को एक पत्थर के नीचे छिपा देता. फिर मामले के ठंडा होने का इंतज़ार करता. वो शायद एक अच्छा प्लान होता?

शायद मैंने ही वो किया हो!

तुम्हें कमरे में जाकर आराम करना चाहिए! लगता है बुखार से तुम बौरा गये हो!

रस्कोलनिकोव उस बूढ़ी औरत के फ्लैट में दुबारा वापिस गया. वहां पर पेंटिंग चल रही थी और कुछ पेंटर काम कर रहे थे.

घंटी बजने से पेंटर कुछ डर गए.

क्या यह आदमी पागल है? क्या हम पुलिस को बुलाएँ?
तुम मुझे पागल समझते हो! चलो मेरे साथ पुलिस स्टेशन. वहां मैं सब कुछ बता दूंगा.
वो वाकई में पागल है!
निकलो यहाँ से! तुम सिरफिरे और पागल हो. हमें परेशान मत करो!

रस्कोलनिकोव फिर बिल्डिंग से नीचे दौड़ा. उसने पुलिस स्टेशन जाकर अपना अपराध स्वीकार करने की सोची. पर तभी उसने सड़क पर एक दुर्घटना होते हुए देखी.
अरे, यह तो मरमेलादोव है!

नशे में धुत्त मरमेलादोव एक घोड़ागाड़ी के सामने आकर गिर गया था.
वो नशे में था! मैंने उसे रोकने की कोशिश की!
वो मर गया है!

रस्कोलनिकोव, मरमेलादोव के शव को उसके घर लेकर गया.
बाप रे! मेरी मुसीबतों का कोई अंत ही नहीं है?

रस्कोलनिकोव को उस महिला की हालत पर बड़ी दया आई. उसके पास माँ के भेजे जो पैसे बचे थे वो उसने उस महिला को दे दिए.

देखो सोन्या! वो आदमी तुम्हारे पिता के दफ़न के लिए अभी कुछ पैसे छोड़कर गया है!

वो है सोन्या!

रस्कोलनिकोव फिर सड़क पर वापिस आ गया.

बड़ी अजीब बात है. मैंने अभी-अभी मौत देखी है, पर उसने मुझमें एक नया जीवन भर दिया है. मैं अब मुक्त होना चाहता हूँ!

जब रस्कोलनिकोव अपने कमरे की ओर जा रहा था तब उसकी भेंट राज़ुमिखिन से हुई.

हेलो, राज़ुमिखिन!

रस्कोलनिकोव क्या हुआ? तुम्हारे नए कपड़ों पर खून के धब्बे क्यों लगे हैं!

रस्कोलनिकोव ने राज़ुमिखिन को मरमेलादोव की दुर्घटना के बारे में बताया. फिर राज़ुमिखिन ने रस्कोलनिकोव के नए कपड़ों को साफ़ किया.

यह तो बड़ा बुरा हुआ. पर तुम अब ज़रूर, पहले से बेहतर दिख रहे हो.

हाँ, मेरी तबियत पहले से अच्छी है.

देखो, रस्कोलनिकोव तुम्हें पुलिस के पास जाना चाहिए. उन्हें उस बूढ़ी औरत के फ्लैट में एक घड़ी मिली है, जिसपर तुम्हारा नाम लिखा है.

इस बीच राज़ुमिखिन, रस्कोलनिकोव के साथ उसके कमरे पर गया. वहां पर तभी-तभी रस्कोलनिकोव की बहन और माँ आए थे.

माँ!

मेरे बेटे, रस्कोलनिकोव!

यह मेरा दोस्त है - राज़ुमिखिन.

आपसे मिलकर बहुत ख़ुशी हुई.

अचानक रस्कोलनिकोव का मूड एकदम बदल गया.

अरे वो शादी! दुन्या! तुम्हें वो शादी बिल्कुल नहीं करनी चाहिए!

प्रिय रस्कोलनिकोव, मिस्टर लुज्हीन से मिले बिना तुम उनके बारे में अपना मत नहीं बनाओ.

मैं उससे क्यों मिलूँ? वो एक बेरहम बूढ़ा आदमी है, और तुम उससे प्रेम भी नहीं करती हो!

रस्कोलनिकोव अब बस करो! तुम अब आराम करो.

कृपा, अपनी जिंदगी को बर्बाद मत करो, दुन्या!

राज़ुमिखिन ने रस्कोलनिकोव को खाट पर सुला दिया.

वो अब कुछ देर सोएगा. क्या मैं आपको होटल तक छोड़ दूं?

हाँ, ज़रूर. मुझे बेटा कुछ अजीब सा लगता है.

अगर मैं आपकी कुछ मदद कर सकूं तो मुझे ख़ुशी होगी.

तुम्हारा बहुत शुक्रिया. तुम एक अच्छे दिल के नेक इंसान लगते हो.

क्या तुम कल सुबह रस्कोलनिकोव के कमरे में आ सकते हो? वहां मिस्टर लुज्हीन उससे मिलने आने वाले हैं.

ज़रूर! शायद मैं आपकी कुछ मदद कर पाऊँ!

उस बीच रस्कोलनिकोव ने पुलिस स्टेशन जाने का मन बनाया.

अरे, रस्कोलनिकोव तुम घर पर आराम क्यों नहीं करते?

मुझे लगा जैसे आप मुझसे कुछ सवाल पूछने वाले हैं. जिस बूढ़ी औरत का क़त्ल हुआ उसके पास मेरी कुछ चीज़ें गिरवी रखीं थीं.

हाँ, मैं तुमसे कुछ सवाल पूछना चाहता था. पर मैं उन्हें बाद में भी पूछ सकता था.

बाद में? क्या वो मुझसे कोई खेल, खेल रहा है? क्या उसे सच्चाई का पता है?

मैं पहले ही आता. पर अब मैं कमरा छोड़कर बहुत कम ही कहीं जाता हूँ.

चलो, हम बाद में उसके बारे में बात करेंगे.

किसके बारे में बात?, आप क्या जानना चाहते हैं? ज़रूर पूछें!

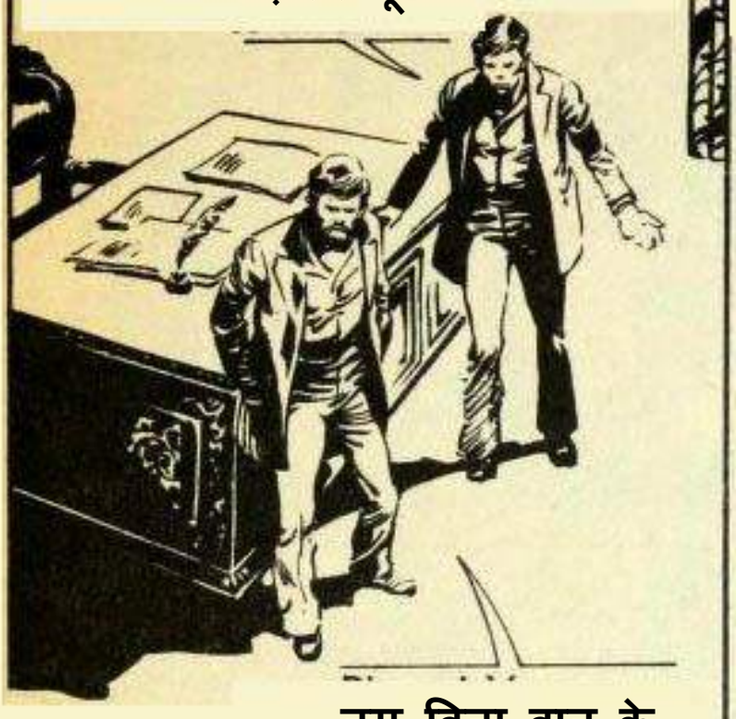

तुम बिना बात के परेशान हो रहे हो. मैं चाहता हूँ कि तुम कमरे में जाकर आराम करो.

फिर रस्कोलनिकोव पुलिस स्टेशन से अपने कमरे की ओर चला.

शायद कुछ खास बात नहीं है. मैं ज़मेतोव को चकमा दे पाया.

एक अजीब आदमी रस्कोलनिकोव के कमरे के दरवाज़े पर इंतज़ार कर रहा था.

हत्यारे! तुमने ही क़त्ल किया है. वो तुम्हें पता है!

क्या? वो कौन हो सकता है? मैं क्या करूं?

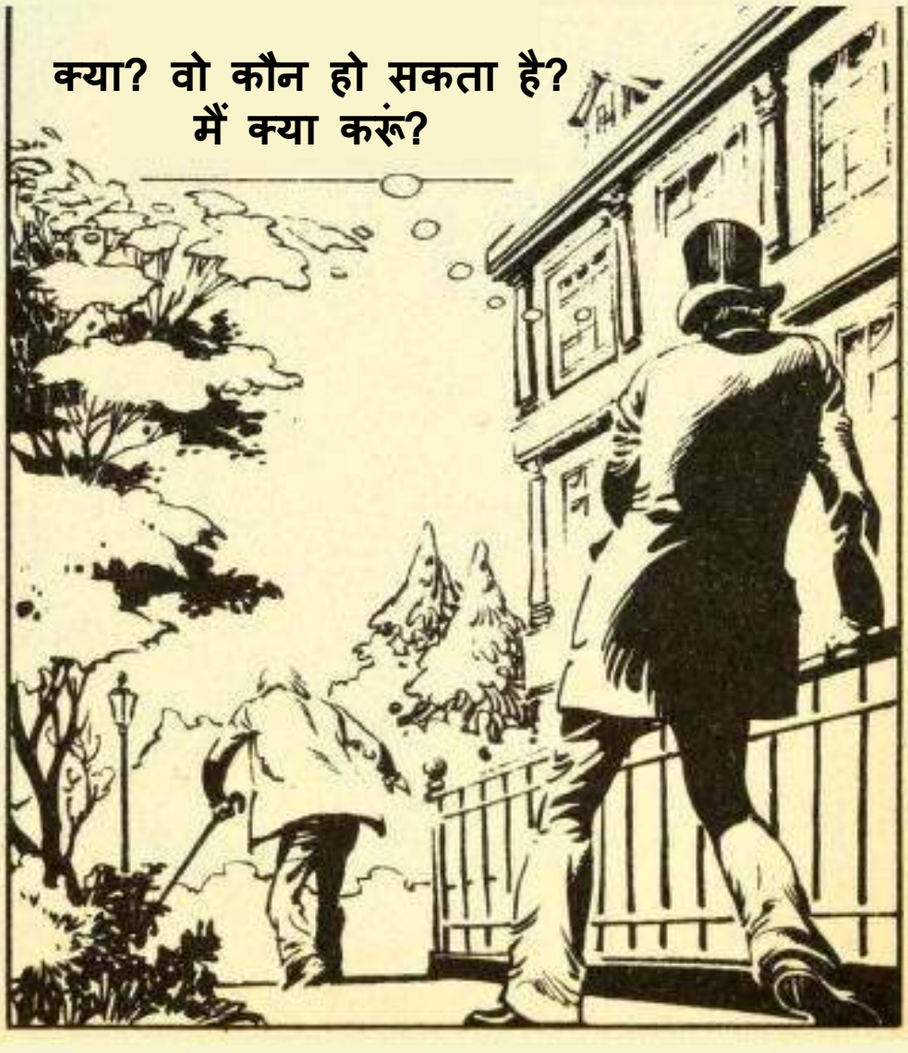

रस्कोलनिकोव अपने कमरे में वापिस गया. कुछ देर बाद किसी ने दरवाज़ा खटखटाया.

अरे, सोन्या!

मैं आपको अपने पिता के जनाज़े का निमंत्रण देने आई हूँ.

रस्कोलनिकोव ने दरवाज़ा खोला. अचानक सोन्या को पता चला कि रस्कोलनिकोव कोई अमीर इंसान नहीं था. शायद उसने अपने सारे पैसे उन्हें दे डाले.

अरे, तुम बहुत दयालु हो. तुमने हमें इतने पैसे क्यों दिए?

नहीं तुम लोग अच्छे और दयालु हो. आओ, अन्दर आओ और मुझसे कुछ बातें करो. मुझे तुम्हारी मदद की ज़रुरत है!

मुझे माफ़ करो! अभी मुझे जाना है. तुम कल आकर मुझसे मिलना. मुझसे जो बनेगा मैं ज़रूर तुम्हारी मदद करूंगी.

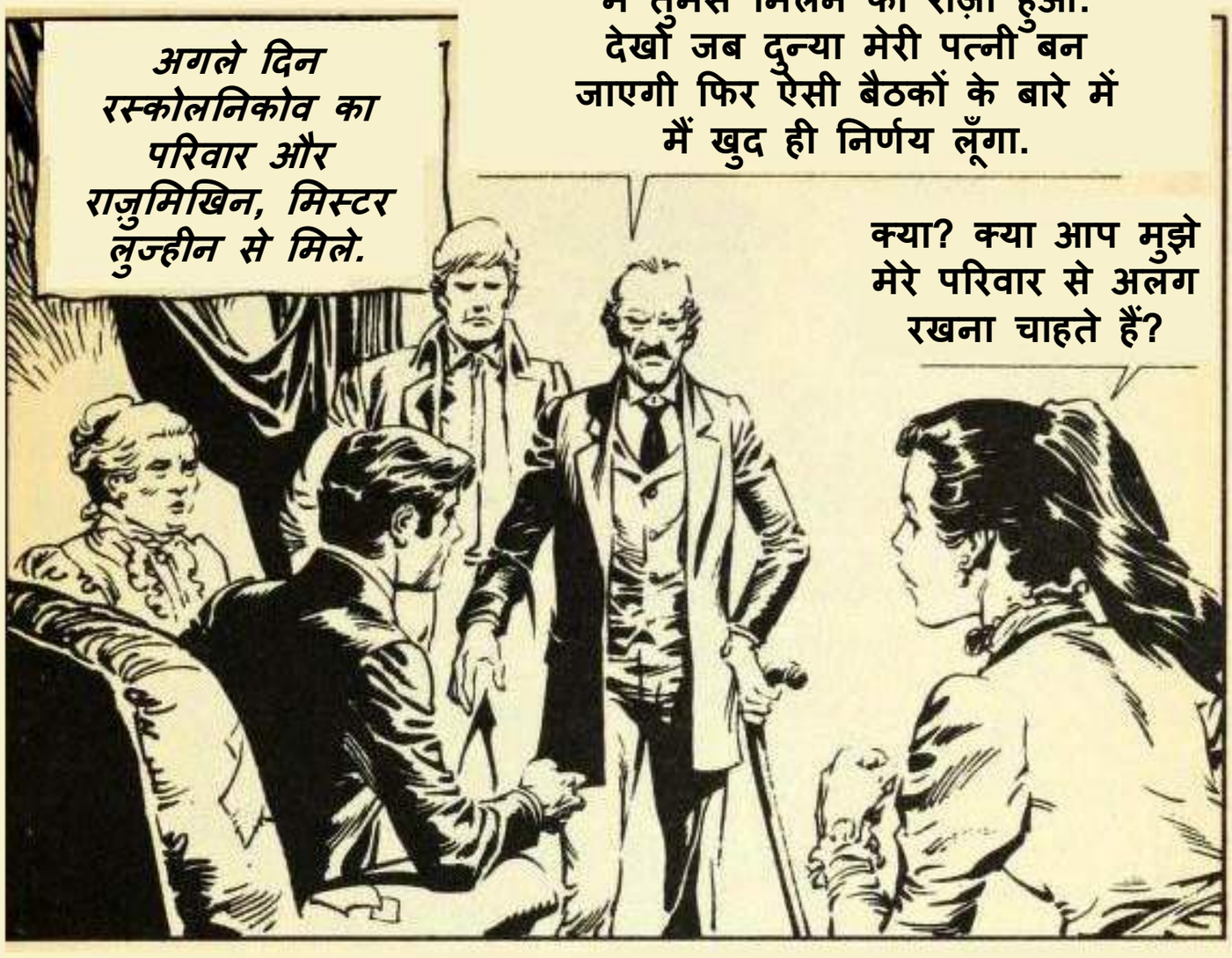
अगले दिन रस्कोलनिकोव का परिवार और राज़ुमिखिन, मिस्टर लुज्हीन से मिले.
मैं तुमसे मिलने को राज़ी हुआ. देखो जब दुन्या मेरी पत्नी बन जाएगी फिर ऐसी बैठकों के बारे में मैं खुद ही निर्णय लूँगा.
क्या? क्या आप मुझे मेरे परिवार से अलग रखना चाहते हैं?

देखो मैं दुन्या को एक अच्छी जिंदगी दूगा. फिर उसे मेरी सब बातें माननी पड़ेंगी.
तुम बड़े बेरहम हो!

क्या? क्यों – तुम्हारी ये हस्ती! यह कहने की तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई?
वो मेरा भाई है! आप मेरे भाई से इस लहजे में बात नहीं कर सकते!

मिस्टर लुज्हीन आप यहाँ से चले जाएँ! अगर आप मेरे परिवार से अच्छी तरह पेश नहीं आयेंगे, तो मैं आपसे शादी नहीं करूंगी!

फिर तुम्हारे पास कुछ नहीं बचेगा!

अरे दुन्या, अब हम क्या करेंगे?

तुम फ़िक्र मत करो माँ.

बीच में बोलने के लिए माफ़ी चाहता हूँ. पर मेरे मन में एक विचार है.

मैं एक किताब लिखने वाला हूँ. शुरू में मैं ज्यादा नहीं कमा पाऊँगा, पर अगर तुम मदद करोगी तो अंत में हम एक अच्छी जिंदगी बिता पाएंगे.

तुम वाकई में एक सच्चे दोस्त हो राज़ुमिखिन! मुझे पूरी उम्मीद है कि तुम जीवन में सफल होगे और दुन्या उसमें तुम्हारी सहायता करेगी.

मुझे माफ़ करें. मेरी तबियत कुछ दिनों से ठीक नहीं है. अब मुझे अकेले आराम करना चाहिए.

रस्कोलनिकोव ने अपनी माँ और बहन से अलविदा कहा. फिर उसने राज़ुमिखिन से कुछ बात की.

राज़ुमिखिन उन दोनों का ख्याल रखना. तुम मुझे अपनी बहन जितने ही प्यारे हो.

फ़िक्र मत करो. अगर दुन्या इजाज़त देगी तो मैं जल्द ही उससे शादी करूंगा.

सब लोगों के जाने के बाद रस्कोलनिकोव, सोन्या से मिलने गया.

शायद मैं तुमसे पहली और आखिरी बार मिलने आया हूँ.

क्यों? क्या तुम कहीं जा रहे हो?

अचानक रस्कोलनिकोव फर्श की ओर झुका और उसने सोन्या के पैर को चूमा.

यह तुम क्या कर रहे हो?

देखो सोन्या! मैं तुम्हें झुककर सलाम करता हूँ. तुम्हें देखकर मुझ में जीने की तमन्ना पैदा हुई है! तुम एक अच्छी और नेक इंसान हो.

मैंने कई गलत काम किये हैं. पर तुम्हें देखकर मुझ में भी नई उम्मीद जगी है!

हमें हमेशा उम्मीद रखनी चाहिए.

मेरी प्रिय मित्र लिज़वेता ने मुझे यह सबक सिखाया था. अब भी उसकी बात सच है!

तुम उसी लिज़वेता की बात कर रही हो, जो हाल ही में उस बूढ़ी औरत के साथ मारी गई थी?

हाँ, लिज़वेता मेरी दोस्त थी और मुझे उम्मीद है कि वो तुम्हारी दोस्त भी होती.

मुझे माफ़ करो. पर अब मुझे जाना है. मैं जल्द ही तुमसे दुबारा मिलने आऊँगा.

रस्कोलनिकोव को समझ में नहीं आ रहा था कि वो क्या सोचे. अगले दिन सुबह वो ज़मेतोव से मिलने गया.

रस्कोलनिकोव, मैं बहुत खुश हूँ कि तुम मुझसे मिलने आए.

तुम मुझ से क्या पूछना चाहते हे? वो मुझे बताओ!

कृपा करके आराम से बैठो. मैं तुम से माफ़ी माँगना चाहता हूँ.

क्या? क्या मैं बच जाऊँगा?

मैंने तुम्हारे साथ ज्यादती की है. राज़ुमिखिन ने मुझे बताया कि तुम एक अच्छे आदमी हो.

मैंने तुम्हें कभी सच नहीं बताया. मैंने तुम्हें चकमा देने की कोशिश भी की.

क्या आपने मुझे ही मुजरिम समझा?

हाँ. मैंने एक बूढ़े आदमी को तुम्हारे कमरे पर तुम्हें "हत्यारा" बुलाने के लिए भी भेजा.

क्या वो आपको अपनी गलती लगती है?

गलती? बिल्कुल नहीं! मुझे पता है कि तुम ही हत्यारे हो!

फिर आप मुझे जेल क्यों नहीं भेजते?

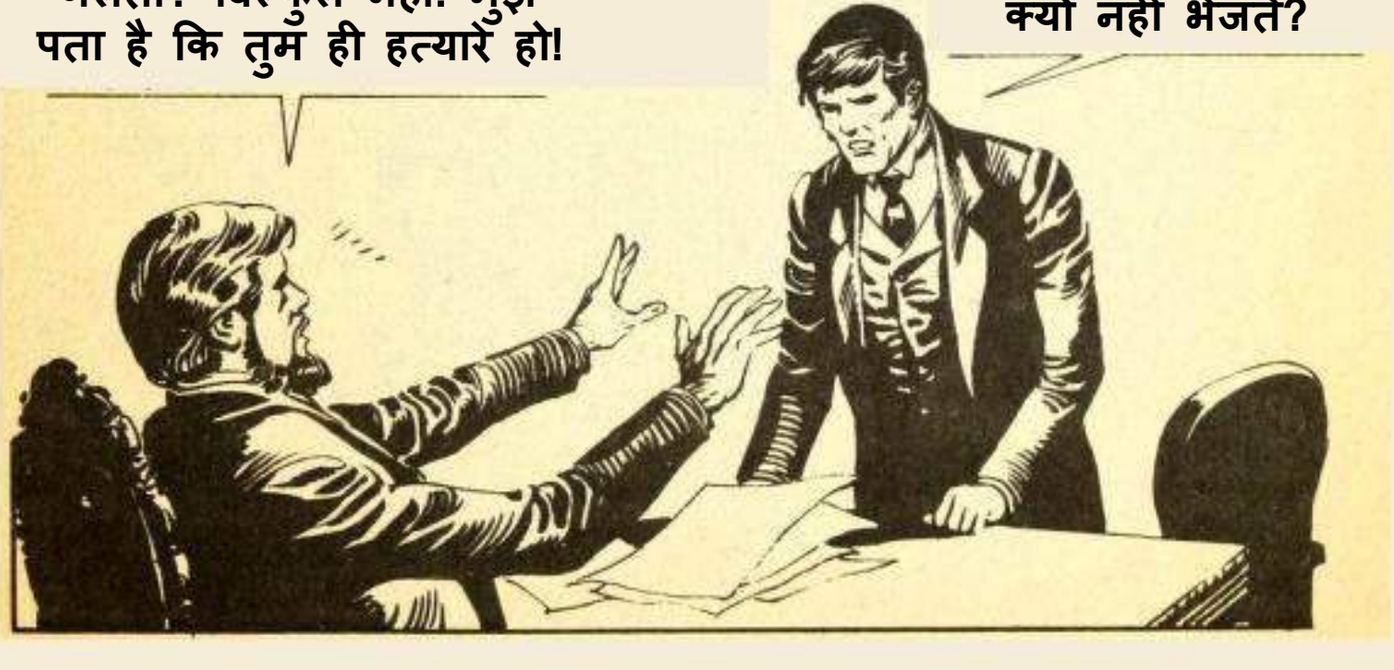

इसीलिए मैं तुमसे बातें करना चाहता हूँ. मुझे पता है कि तुम एक कठिन दौर से गुज़र रहे हो. आगे जाकर वो स्थिति और ज्यादा बिगड़ेगी.

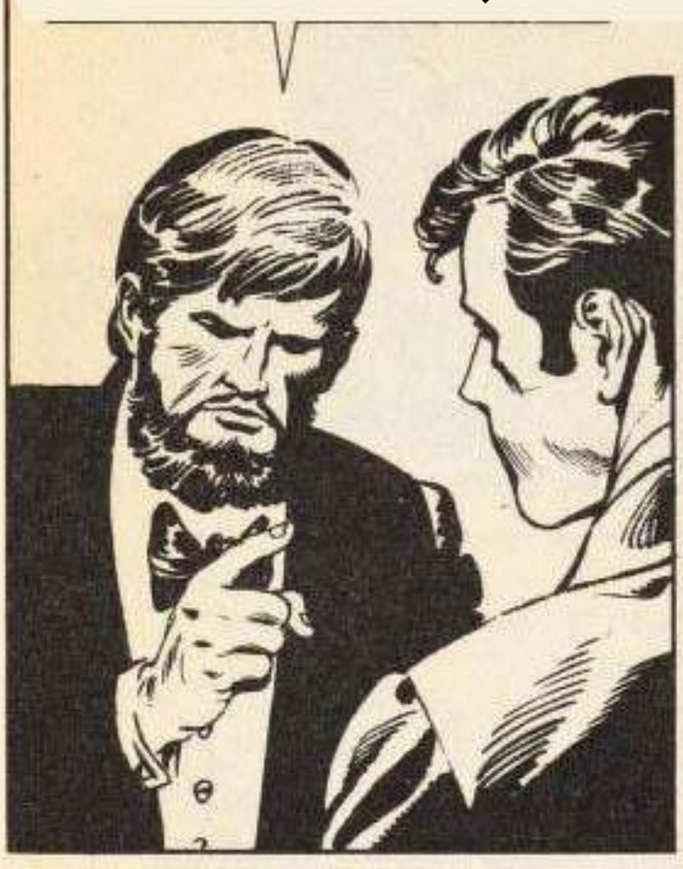

मैं चाहता हूँ कि तुम खुद अपने आप को बचाओ! अगर तुम अपना अपराध स्वीकार करोगे तो वो इतना गलत नहीं होगा. पर एक बात उससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण है!

अगर तुम अपना अपराध स्वीकार करोगे तो तुम्हें कम-से-कम आंतरिक शांति तो मिलेगी!

यह बड़ी अजीब बात है! क्या मैं जा सकता हूँ?

हाँ, मैं तुम्हें सोचने-विचारने के लिए काफी समय दूंगा. मुझे पता है कि तुमने ही उन दोनों औरतों को मारा है. फिर भी मुझे तुम पर विश्वास है और मैं तुम्हारा भला चाहता हूँ.

पुलिस स्टेशन से निकल कर रस्कोलनिकोव सीधा सोन्या से मिलने गया.

बताओ मैं क्या करूं? तुम मुझे उम्मीद देती हो. पर एक रहस्य है, जिसे जानने के बाद तुम मुझे धिक्कारने लगोगी.

तुम गलत समझ रहे हो रस्कोलनिकोव. मैंने अगर तकलीफ सही है तो तुमने भी बहुत मुश्किलें झेली हैं. शायद इसीलिए हम मित्र हैं.

फिर सोन्या ने अपने जेब में से दो सलीब (क्रॉस) निकाले. यह दोनों क्रॉस वही थे जिन्हें रस्कोलनिकोव ने फेंका था.

अब अपनी मदद के लिए इनमें से एक क्रॉस लो. मुझे पता है कि तुम्हारा इनमें कोई विश्वास नहीं है, पर मेरे लिए यह क्रॉस बहुत विशेष हैं.

अरे, सोन्या! काश, मुझे पता होता .....

तुम उम्मीद कभी भी मत छोड़ना.

मुझे इतना पता है कि तुम खुद को बचा सकते हो. उस दिन तक मैं तुम पर यकीन करूंगी, चाहें इस बीच कुछ भी हो.

अगर मुझे जेल जाना पड़े तो भी? अगर मेरे रहस्य से तुम्हें तकलीफ पहुंचे, फिर भी?

हाँ, अब जाओ! अपनी गलती के लिए माफ़ी मांगो. उसके बाद जो कुछ होगा वो आसान नहीं होगा. पर अगर तुम अपने अतीत को छिपा कर रखोगे फिर तुम्हें कभी भी चैन नहीं मिलेगा!

मुझे पता है कि सच्चाई कभी छिप नहीं सकती है. मुझे दुनिया को बताना ही चाहिए कि मैं ही असली हत्यारा हूँ!

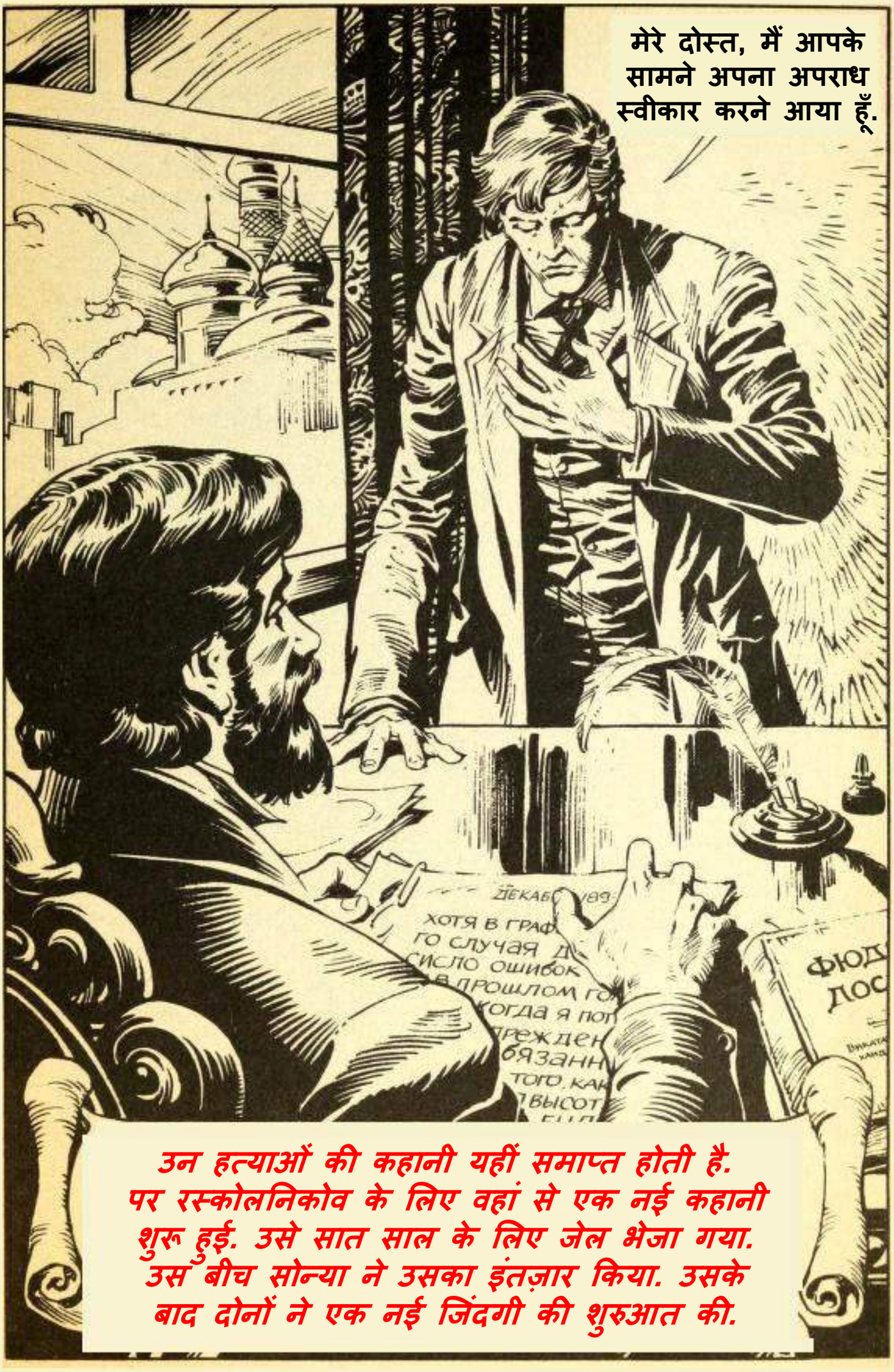

उन हत्याओं की कहानी यहीं समाप्त होती है. पर रस्कोलनिकोव के लिए वहां से एक नई कहानी शुरू हुई. उसे सात साल के लिए जेल भेजा गया. उस बीच सोन्या ने उसका इंतज़ार किया. उसके बाद दोनों ने एक नई जिंदगी की शुरुआत की.

अंत